हरिभूमि

शौर्य भूमि

मंडला| अंजिनया | भुआबिछिया | बम्हनीबंजर | नैनपुर | निवास | बीजाडांडी

जबलपुर, रविवार 4 जनवरी 2026

login : www.haribhoomi.com

खबर संक्षेप

उपार्जित धान परिवहन की गति बढ़ाएं-कलेक्टर

मण्डला। कलेक्टर सोमेश मिश्रा ने उपार्जन से जुड़े विभागों की बैठक ली। बैठक में उन्होंने जिले में चल रहे उपार्जन कार्यों की विस्तृत जानकारी लेते हुए जरूरी निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि मौसम को देखते हुए उपार्जन केन्द्रों में तिरपाल आदि की समुचित व्यवस्था सुनिश्चित करें। उपार्जित की जाने वाली फसल के परिवहन की गति बढ़ाएं तथा भंडारण की समुचित व्यवस्था सुनिश्चित करें। कलेक्टर श्री मिश्रा ने कहा कि खुले में फैले हुए धान को व्यवस्थित करें तथा उपार्जित फसल भीगने पर संबंधित अधिकारियों के विरुद्ध जुर्माना एवं कठोर कार्रवाई की जाएगी। कलेक्टर ने उर्वरक की जानकारी लेते हुए आवश्यक निर्देश दिए। उन्होंने संबंधित विभागों के अधिकारियों को निर्देशित किया कि परिवहन में लगने वाले वाहनों की जानकारी प्रतिदिन भेजें।

कलेक्टर श्री मिश्रा पहुंचे दीनदयाल रसोई, लिया जायजा

मण्डला। कलेक्टर सोमेश मिश्रा शनिवार की दोपहर अचानक पड़ाव मार्ग पर स्थित दीनदयाल रसोई पहुंचे। कलेक्टर के साथ एसडीएम मण्डला श्रीमती सोनल सिडाम, परियोजना अधिकारी शहरी विकास अभिकरण सचिन जैन और मुख्य नगर पालिका अधिकारी गजानन नाफड़े मौके पर पहुंचे। अधिकारियों के एकाएक पहुंचने से रसोई में हलचल बढ़ गयी। कलेक्टर श्री मिश्रा ने भोजन कक्ष, रसोई कक्ष और भण्डार का निरीक्षण किया। भोजन कक्ष में भोजन कर रहे ग्राहक से कलेक्टर ने भोजन की गुणवत्ता के बारे में पूछा।

भ्रष्टाचार और फर्जीवाड़े की शिकायत पर क्यों नहीं हो रही कार्यवाही

नियम विरूद्ध दुकानों का हुआ विक्रय?

*** सूचना के अधिकार के तहत नहीं दी जा रही जानकारी।**

हरिभूमि न्यूज ▶▶| मण्डला

जिले में भ्रष्टाचार को लेकर शिकायतें लगातार सामने आती रही है इनके समाधान के लिये सीएम हेल्पलाइन और जनसुनवाई भी नाकाफी साबित हो रही है। पारदर्शी प्रशासन का दावा करने वाले लोग जब विभागीय जानकारी ही सार्वजनिक नहीं करते तो उनकी मंशा समझी जा सकती है सूचना के अधिकार के तहत भी यदि जानकारी न मिल रही हो तो फिर शासन-प्रशासन के पारदर्शी दावे पर प्रश्नचिन्ह तो खड़े होंगे ही।

गत दिवस रोगी कल्याण समिति के द्वारा निर्माण हुई दुकानों के क्रय विक्रय में हुये फर्जीवाड़े को लेकर शिकायतकर्ता मनुवर अली ने रोगी कल्याण समिति के द्वारा बनाई गई दुकानों के आवंटन को लेकर जांच की मांग की थी लेकिन जिन्हें जांच करने की जिम्मेदारी सौंपी वो भी इस फर्जीवाड़े में शामिल हो गये और दोषियों पर कोई कार्यवाही नहीं की। जबकि नियमावली का उल्लंघन करने वालों के विरूद्ध ठोस कार्यवाही करनी थी। शिकायतकर्ता का कहना था कि जब नियमों का पालन नहीं करा सकते तो बनाते क्यों हैं? वहीं शिकायतकर्ता ने कहा कि शिकायत आवेदन देने के बाद शायद मुझे आश्वासन देने के उद्देश्य से जांच टीम बनाई गई थी।

दुकानदारों ने निम्न दर पर दुकान लेकर मंहगे दामों पर विक्रय कर दी। जबकि घोषणा पत्र में दुकानदारों ने अपना शपथ पत्र विभाग को दिया है उसमें विक्रय करने का प्रावधान है ही नहीं। अब क्या यह फर्जीवाड़ा नहीं है। ऐसे लोगों के विरुद्ध मामला दर्ज होना चाहिए जो शासन की गाइड लाइन का मजाक बना रहे हैं। जिला मुख्यालय में स्थित जिला चिकित्सालय के अंतर्गत फतह दरवाजा कॉम्प्लेक्स के सामने बनाई गई दुकानों के मालिक फर्जीवाड़ा कर बनाई गई नियमावली का उल्लंघन कर दुकान को विक्रय किया है।

इस मामले की शिकायत कई बार की गई, मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी को शिकायतकर्ता ने बताया तो इस संबंध में अधिकारी ने कहा कि मामला संज्ञान में है, लेकिन जांच करने के लिए मना किया गया है। अब शिकायतकर्ता का कहना है कि जिम्मेदार इस गंभीर मुद्दे पर न तो सुनवाई कर रहे हैं और न ही जांच कर रहे हैं। अब ऐसा लगता है कि उच्च न्यायालय की शरण लेनी पड़ेगी तभी जिले में चल रहे फर्जीवाड़े की जांच होगी। जबकि जनसुनवाई से लेकर कमिशनर तक शिकायत की जा चुकी है।

मनुवर अली ने 25 जुलाई 2023 को जनसुनवाई में शिकायत आवेदन दिया और बताया कि रोगी कल्याण समिति के द्वारा जो दुकानें बनाई गई हैं जिसकी जांच की जाये। उन्होंने अवगत कराया था कि नियमावली का उल्लंघन कर दुकानों को विक्रय किया गया है।

दुकान क्रमांक 63, 75, 78 और 80 नंबर की दुकाने रोगी कल्याण समिति के द्वारा जीवन पालन पोषण करने के लिए निम्न दरों पर आवंटित की गई थी, लेकिन इन दुकानदारों द्वारा फर्जीवाड़ा कर दुकान को बेच दिया गया।

शिकायतकर्ता ने कहा कि संबंधित विभाग से लेकर प्रशासन तक के पास जाकर जांच कराने के लिए गुहार लगाई कि दुकान क्रमांक 63 अनिल कुमार जसवानी, दुकान क्रमांक 75 भगवान दास चौरसिया, दुकान क्रमांक 78 जवाहर लाल गुप्ता पिता मोती लाल गुप्ता, दुकान क्रमांक 80 पुष्प कुमार चौरसिया इन दुकान संचालकों को रोगी कल्याण समिति के द्वारा अपना जीवन यापन करने के लिए निम्न दरों पर दुकानें दी गई थी, लेकिन दुकान के मालिकों ने गाइडलाइन से हटकर अपनी दुकानों का विक्रय कर दिया साथ ही स्टाम्प शुल्क की भी हेराफेरी की गई है। इस संबंध में शिकायतकर्ता द्वारा सूचना उच्च अधिकारियों को दी गई थी, लेकिन विभाग के उच्च अधिकारियों द्वारा कोई कार्यवाही नहीं की।

शिकायतकर्ता को न तो विभाग से कोई सहयोग मिला और न ही सूचना के अधिकार के तहत मांगी गई जानकारी ही मिली जबकि शिकायकर्ता ने राज्य स्तर तक इस संबंध में पत्राचार किया अब शिकायतकर्ता का कहना है कि शायद इस पूरे मामले को न्यायालय में ही ले जाना पड़ेगा और तब कहीं जाकर उसे न्याय मिल सकेगा या अधिकारी न्याय करने मजबूर होंगे।

डॉ. अमित सुलखिया हुए एचएमएआई होम्योपैथिक सेमिनार में सम्मिलित

हरिभूमि न्यूज ▶▶| मण्डला

जबलपुर तेइसवीं एचएमएआई होम्योपैथी संगोष्ठी का आयोजन कोलकाता में होम्योपैथिक मेडिकल एसोसिएशन द्वारा किया गया। जिसमें राष्ट्रीय एवं अंतर्राष्ट्रीय होम्योपैथिक विशेषज्ञ द्वारा अपने-अपने शोध पत्र प्रस्तुत किए गए। तीन दिवसीय इस आयोजन में होम्योपैथिक में किए गए रिसर्च की जानकारी सभी चिकित्सकों को दी गई एवं सभी की जानकारी के लिए स्मारिका का विमोचन किया गया। आयोजन में शहर के वरिष्ठ होम्योपैथिक चिकित्सा डॉ. अमित सुलखिया आजीवन सदस्य सम्मिलित हुए एवं अपने विचार सेमिनार में रखें। कार्यक्रम में प्रदेश को उत्कृष्ट कार्यों के लिए सम्मान प्रदान किया गया। सेमिनार में जबलपुर से डॉ. आरके चतुर्वेदी, अध्यक्ष डॉ. आरके गुप्ता, डॉ. अवधेश भट्ट, डॉ. तुलाराम जड़िया, डॉ. अली, डॉ. वीरेंद्र, डॉ. विकास, डॉ. अमित सुलखिया , डॉ. सरकार, डॉ. ललित चतुर्वेदी सहीत सभी प्रदेशों से हजारों चिकित्सक सम्मिलित हुए। मध्यप्रदेश होम्योपैथिक संगठन द्वारा 50 वर्षों की यात्रा का एग्जीबिशन लगाया गया, जिसकी प्रशंसा की गई।

आत्मरक्षा प्रशिक्षण शिविर का आयोजन

भुआबिछिया। शासकीय स्नातक महाविद्यालय भुआ बिछिया में महिला प्रकोष्ठ के तत्वाधान में आत्मरक्षा प्रशिक्षण शिविर का शुभारंभ प्राचार्य रोहिणी कोस्टा की अध्यक्षता में किया गया। एक माह तक चलने वाले आत्मरक्षा प्रशिक्षण शिविर का उद्देश्य छात्राओं को आत्मनिर्भर बनाना है तथा विषम परिस्थितियों में वह किस प्रकार स्वयं की रक्षा कर सकती हैं इस हेतु उन्हें सशक्त बनाना है। कार्यक्रम में महाविद्यालय की जनभागीदारी समिति के अध्यक्ष श्री पंकज पुरी गोस्वामी मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित रहे। उन्होंने अपने उद्बोधन में छात्राओं का आवाहन करते हुए उन्हें सशक्त बनने हेतु प्रेरित किया और इस प्रकार के आत्मरक्षा प्रसंग प्रशिक्षण शिविरों में सहभागिता सुनिश्चित करने की अपील की। प्राचार्य ने अपने उद्बोधन में बताया कि वर्तमान समय में महिलाओं के साथ होने वाले अपराधों से स्वयं की रक्षा करने के लिए महिलाओं को ही मजबूत बनना होगा। इसलिए ये प्रशिक्षण शिविर आयोजित किए जाते हैं। कार्यक्रम एवं महिला प्रकोष्ठ प्रभारी डॉ राखी वंशकार ने बताया कि महिलाओं को शारीरिक एवं मानसिक रूप से सशक्त होना चाहिए । किसी भी विषम परिस्थिति में संयम से काम लेते हुए स्वयं की रक्षा करनी चाहिए। यदि महिला सरस्वती है तो अपनी अस्मिता की रक्षा के लिए वह चंडी और काली भी बन सकती है। कार्यक्रम में मंच संचालन रंजीत कुमार एवं आभार डॉ राखी वंशकार के द्वारा किया गया। इस आयोजन पर महाविद्यालय स्टाफ सहित छात्र छात्राओं की उपस्थिति रही।

सीईओ जिला पंचायत ने किया उपार्जन केन्द्र का औचक निरीक्षण.....

मण्डला। सीईओ जिला पंचायत शाश्वत सिंह मीना ने शनिवार को धान उपार्जन केन्द्र अंजनिया 2 का औचक निरीक्षण किया। यहाँ उन्होंने उपार्जन की प्रक्रिया, धान की तौल, उपार्जित धान के रखरखाव का बारीकी से निरीक्षण किया। सीईओ ने निरीक्षण के दौरान फैली हुई को इकट्ठा कर सुरक्षित रखने के निर्देश दिए। केन्द्र में उपार्जित रखी 200 बोरी नान एफएक्यु धान पाए जाने पर उन्होंने कड़ी नाराजगी व्यक्त करते हुए समिति को नोटिस जारी करने के निर्देश दिए। समिति प्रभारी को निर्देशित करते हुए उन्होंने कहा कि निर्धारित मानकों की फसल का ही उपार्जन किया जाना है। इस पर किसी भी प्रकार की लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी। जिला प्रबंधक नान को निर्देशित करते हुए सीईओ जिला पंचायत ने कहा कि केंद्र में उपार्जित फसल का स्टॉक ज्यादा समय तक रखा न रहे, इसलिए समांतर रूप से इसका परिवहन सुनिश्चित करें। इस दौरान डीएम नान, समिति प्रबंधक, सहकारिता विभाग के अधिकारी मौजूद रहे।

घरों से संकलित करें पेयजल के नमूने- कलेक्टर

*** घर-घर जाकर सुनी पेयजल की समस्या, कलेक्टर ने किया नगर के डॉ. अम्बेडकर वार्ड का दौरा।**

हरिभूमि न्यूज ▶▶| मण्डला

नगर के वार्ड क्रमांक 10 डॉ. अम्बेडकर वार्ड के घरों में प्रदाय किये जा रहे नल जल की गुणवत्ता को लेकर आई शिकायतों को देखते हुए कलेक्टर सोमेश मिश्रा ने शनिवार को वार्ड का औचक निरीक्षण किया। यहाँ उन्होंने घर-घर जाकर महिलाओं से स्वयं बातचीत करते हुए पेयजल के संबंध में जानकारी ली।

कलेक्टर के अचानक गली में पहुंचने की जानकारी मिलते ही वार्ड के लोग एकत्र हो गये। वार्ड वासियों ने बताया कि नल-जल प्रदाय के शुरू के 5-7 मिनट तक जल शुद्ध नहीं आता है। इस पर कलेक्टर श्री मिश्रा ने परियोजना अधिकारी शहरी विकास को निर्देशित करते हुए कहा कि शनिवार की शाम को प्रदाय किये जाने वाले नल जल का मोहल्ले के घरों से नमूना इकट्ठा कराएं। एकत्रित नमूनों को लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी की प्रयोगशाला में भेजकर उनकी जांच कराएं। उन्होंने मुख्य नगर पालिका अधिकारी को निर्देशित किया कि वार्ड की नालियों की पूरी सफाई सुनिश्चित कराएं। नालियों के ऊपर का अतिक्रमण भी हटाकर खाली करवाएं। दौरे के दौरान ही वार्डवासी आनंद हूंका के घर के पानी का सैंपल भी लिया गया। इस मौके पर एसडीएम मण्डला श्रीमती सोनल सिडाम, परियोजना अधिकारी शहरी विकास अभिकरण सचिन जैन, मुख्य नगरपालिका अधिकारी गजानन नाफड़े सहित संबंधित उपस्थित रहे।

भण्डारित धान को सुरक्षित करने पर्याप्त व्यवस्था रखें-सीईओ जिला पंचायत

मण्डला। सीईओ जिला पंचायत शाश्वत सिंह मीना ने शनिवार को मण्डला के ग्राम सेमरखापा के ओपन कैप भण्डारण स्थल का जायजा लिया। उन्होंने ओपन कैप में हो रही धान भंडारण का निरीक्षण करते हुए जिला प्रबंधक नॉन को निर्देशित किया कि कैप की क्षमता अनुसार भण्डारण कराएं। वेयर हाउसों में क्षमता के अनुसार स्टॉक कम्पलीट हो चुका है। कैप में भण्डारित की जा रही उपज को सुरक्षित करने की पर्याप्त व्यवस्था रखने की जरूरत है, इसके लिए पर्याप्त व्यवस्था पहले से ही सुनिश्चित करें। उन्होंने कहा कि कैप में वाहनों में लोड धान को समय पर अनलोड कराएं। आवश्यकता होने पर देर शाम तक अतिरिक्त मजदूर लगाकर अपलोडिंग कराने की व्यवस्था करें ताकि ट्रक दूसरा फेरा भी लगा सकें। इस दौरान जिला प्रबंधक नागरिक आपूर्ति निगम सहित संबंधित मौजूद रहे।

स्टैंड की व्यवस्था नहीं, राष्ट्रीय राजमार्ग पर खड़े हो रहे ऑटो वाहन

हरिभूमि न्यूज ▶▶| मण्डला/भुआबिछिया

नगर परिषद क्षेत्र भुआबिछिया में इन दिनों ऑटो स्टैंड की समुचित व्यवस्था नहीं होने से आम नागरिकों को भारी परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है। ऑटो स्टैंड निर्धारित नहीं होने के कारण सभी ऑटो वाहन राष्ट्रीय राजमार्ग पर ही खड़े रहते हैं, जिससे यातायात व्यवस्था प्रभावित हो रही है एवं जिससे आम जनों को आवागमन में परेशानी होती है। साथ ही दुर्घटना होने की पूरी संभावना रहती है। सुबह और शाम स्कूली बच्चों तथा छात्रों का भी राजमार्ग से आना जाना होता है जो कि राष्ट्रीय राजमार्ग में ऑटो वाहन खड़े रहने से उन्हें भी परेशानी होती है और कभी भी किसी भी प्रकार की वाहन दुर्घटना संबंधी अनहोनी होने की पूरी संभावना बनी रहती है। इस समस्या पर नगर परिषद प्रशासन की ओर से अभी तक कोई सकारात्मक कदम नहीं उठाए जा रहे हैं। राष्ट्रीय राजमार्ग पर ऑटो वाहनों की अव्यवस्थित पार्किंग के चलते दिनभर जाम की स्थिति बनी रहती है। पैदल राहगीरों, दोपहिया और चारपहिया वाहन चालकों को आवागमन में कठिनाई का सामना करना पड़ रहा है। विशेषकर सुबह और शाम के समय स्थिति और भी गंभीर हो जाती है। स्थानीय नागरिकों का कहना है कि कई बार ऑटो चालक सड़क के बीचों-बीच सवारियां बैठाते और उतारते हैं, जिससे दुर्घटना की आशंका बनी रहती है। स्कूली बच्चों, बुजुर्गों और महिलाओं को सड़क पार करने में काफी परेशानी होती है। नगरवासियों ने नगर परिषद से मांग की है कि शीघ्र ही एक स्थायी ऑटो स्टैंड की व्यवस्था की जाए, जिससे राष्ट्रीय राजमार्ग पर यातायात सुचारू रूप से चल सके और आमजन को राहत मिल सके। लोगों का कहना है कि यदि समय रहते इस समस्या का समाधान नहीं किया गया, तो भविष्य में कोई बड़ा हादसा भी हो सकता है। अब देखना यह है कि नगर परिषद प्रशासन इस गंभीर समस्या पर कब तक ध्यान देता है और ऑटो स्टैंड की व्यवस्था कर आम जनता को राहत प्रदान करता है।

अनदेखी | **मंडला के हक़ की निर्णायक लड़ाई शुरू-रेल सुविधाओं के लिये होगा आंदोलन।**

आखिर क्यों किया जाता मण्डला को दरकिनार

*** लोगों में अब बढ़ता जा रहा आक्रोश।**

हरिभूमि न्यूज ▶▶| मण्डला

मंडला जिले के साथ रेलवे सुविधाओं को लेकर वर्षों से हो रहे सौतेले व्यवहार के विरोध में अब जनआक्रोश निर्णायक आंदोलन में बदलने की ओर जा रहा है। कोचिंग डिपो, नई ट्रेनों और नई रेल लाइन जैसी बुनियादी मांगों को लेकर दर्जनों बार ज्ञापन, बैठकें और आश्वासन दिए गए, लेकिन आज तक एक भी ठोस निर्णय धरातल पर नहीं उतरा।

यह अत्यंत दुर्भाग्यपूर्ण है कि मंडला जैसे आदिवासी बहुल, पर्यटन व व्यापार की दृष्टि से महत्वपूर्ण जिले को लगातार नजरअंदाज किया जा रहा है, जबकि आसपास के जिलों में आंदोलन होते ही रेलवे और सरकार सक्रिय हो जाती है। सवाल यह है कि क्या मंडला के नागरिकों की आवाज़ की कोई कीमत नहीं है? रेल्वे संघर्ष समिति अपना प्रयास तो लगातार करते आ रही है मगर आज तक कुछ भी प्रयास सरकार द्वारा नहीं किया गया न जनता को कुछ विश्वसनीय जवाब मिला।

मंडला में न तो कोचिंग डिपो है, न ही पर्याप्त लंबी दूरी की ट्रेनें, और न ही भविष्य की ज़रूरतों को देखते हुए नई रेल लाइन को स्वीकृति दी जा रही है। इससे जिले के छात्रों, मरीजों, व्यापारियों, कर्मचारियों और किसानों को रोज़ भारी परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है।

अब मंडला जिले की जनता यह स्पष्ट कर देना चाहती है कि केवल ज्ञापन और आश्वासन के युग का अंत हो चुका है। यदि शीघ्र ही- मंडला में कोचिंग डिपो की स्वीकृति एवं समय-सीमा,जल्द निर्धारित नहीं की गई। मंडला से नई लंबी दूरी की ट्रेनों की घोषणा, जल्द किया जाना चाहिए। मंडला से नई रेल लाइन को केंद्रीय बजट/रेल योजना में शामिल नहीं किया गया, जो जल्द से किया जाना चाहिए। साथ नवीन रेलमार्ग में जिसमें बिलासपुर, मंडला, जबलपुर जिसका पूर्व सर्वे के अनुसार प्रस्ताव तो पारित था मगर केंद्र सरकार द्वारा बजट पास नहीं किया गया न ही पैसा दिया गया जो जल्द से जल्द किया जाना चाहिए। नवीन रेलमार्ग गौरेला पेंड्रा, शहडोल, डिंडोरी, मंडला, गोटेगांव इसका भी पूर्व में सर्वे हो चुका था मगर उसका भी आज तक कुछ नहीं हो पाया। मंडला फोर्ट स्टेशन में कोचिंग डिपो और पिट लाइन जल्द आदेश किया जाए इसका निर्माण जल्द किया जाने की घोषणा की जाए।

यदि ये मांगे जल्द ही मानी जाए जिससे जन आक्रोश आंदोलन न हो पाए जनता को विश्वास पूर्ण जवाब दिया जाकर मांग पूरी की जाए। मंडला जिलेभर में व्यापक, शांतिपूर्ण लेकिन निर्णायक जन आंदोलन शुरू किया जाएगा, जिसकी पूरी जिम्मेदारी प्रशासन, रेलवे विभाग और संबंधित जनप्रतिनिधियों की होगी। मंडला अब सिर्फ़ इंतज़ार नहीं करेगा, बल्कि अपने रेलवे अधिकारों के लिए सड़क से संसद तक आवाज़ उठाएगा। यह चेतावनी नहीं, जनभावना का अंतिम अल्टीमेटम है।

हरिभूमि

जन्मदिन उत्सव
उपहार वितरण सूचना

हरिभूमि के सुधि पाठकों को सूचित किया जाता है कि जन्मदिन उत्सव में भाग्यशाली विजेता अपना उपहार 9 जनवरी 2026 से हरिभूमि कार्यालय, जिला कार्यालय या अपने क्षेत्र के अभिकर्ता से प्राप्त कर सकते है। उपहार प्राप्त करने के लिये अपना पहचान पत्र, माह दिसंबर 2025 हरिभूमि अखबार का मासिक बिल साथ लावें।

समय : सुबह 11 बजे से शाम 5 बजे तक।

नोट : रविवार के दिन उपहार का वितरण नहीं होगा।

खबर संक्षेप

ग्रामीण क्षेत्रो में निर्धारित समय पर खोली जाए उचित मूल्य की दुकानें

हरिभूमि न्यूज/ गाडरवारा। शासन द्वारा गरीबों के हितों का ध्यान रखते हुए उन्हें सस्ता राशन उपलब्ध कराया जा रहा है जिससे सार्वजानिक वितरण प्रणाली के तहत संचालित सस्ते राशन की दुकानों से हालाँकि सरकार की मंशानुरूप गेहू, कैरोसिन, चॉवल और शक्कर का वितरण किया जा रहा है। वही सरकार के आदेश अनुसार कुछ महिनों तक पर्ची धारकों के लिये निःशुल्क राशन भी वितरण किया जा रहा है। किन्तु ग्रामीण क्षेत्रों में नीले, पीले कार्डधारियों की शिकायत है कि उचित मूल्य की कई दुकानें ऐसी है जो समय के साथ निश्चत तिथि पर नही खुलने के कारण लोगो का समय व्यर्थ बर्बाद हो रहा है, इस बात की सच्चाई इस समय क्षेत्र के अनेक गांवों में देखने मिल रही है, जहां पर विगत लम्बे समय से लोगों को अनाज नही मिल पाया है? बताया जाता है जिस सहकारी दुकान से चार पांच गांव जुड़े है और विलम्ब से उसके खुलने की स्थिति मे वहॉ उपभोक्ताओं की भीड़ जुट जाती है और महिलाओं को खासकर इन दुकानो से सामान लेने मे परेशान होना पड़ता है? ज्ञातव्य है कि आने वाले और तेज ठंड के मौसम का ध्यान रखते हुए सहकारी दुकानों से गरीबों, अतिगरीबो राशन कार्ड धारियों को खाद्यान्न का वितरण किया जाएगा, लिहाजा जरूरी है कि ग्रामीण क्षेत्रों की सहकारी दुकाने निर्धारित समय पर खुलें ताकि नागरिको को किसी तरह की असुविधा का सामना न करना पड़े।

नांदनेर में यात्री प्रतीक्षालय न होने से यात्रियों को हो रही परेशानी

हरिभूमि न्यूज/नांदनेर। जहां एक ओर सरकार द्वारा गांव गांव अपनी जनराशि करते हुए विकास कार्य कराये जा रहे है, मगर कहा जाता है कि वह विकाय का कार्य सही कहलाता है जिसकी लोगों को उपयोगता होती है और यदि वही विकास कार्य नही होता है तो संपूर्ण विकास कार्यो पर प्रश्न चिन्हें लग जाते है? कुछ इसी प्रकार की सच्चाई इस समय ग्राम पंचायत नांदनेर में देखने मिल रही है, जहां पर बताया जाता है कि हायर सेकेण्डरी स्कूल होने के साथ साथ सेवा सहकारी समिति सहित अन्य सुविधाएं तो गांव में उपलब्ध है, मगर यहां पर यात्री प्रतिक्षालय नही होने के कारण लोगों को परेशानियों का सामना करने के लिए मजबूर होना पड़ रहा है, क्योंकि ग्राम नांदनेर गाडरवारा पिपरिया मुख्य मार्ग पर स्थिति होने के कारण यहां से सभी प्रकार के वाहनों का निकलना होता है, वही यहां पर अपनी यात्रा करने के लिए इस मार्ग से चलने वाली बसों को पकड़ने के लिए प्रतिदिन आसपास के ग्रामीण क्षेत्रों में ग्राम झांझनखेड़ा, मिढ़वानी, देवरी, दहलवाड़ा, छोटी बनखेड़ी सहित अन्य गांवों के लोगों का आना जाना भी रहता है, मगर यात्री प्रतीक्षालय न होने से उन्हे जहां बारिश के दिनों में गिरते हुये पानी तो गर्मी के दिनों में तेज तपती हुई धूप में खड़े होकर बसो का इंतजार करने मजबूर होना पड़ता है वही चाय पान दुकानों का सहारा लेने के लिए मजबूर होना पड़ता है, जिसमें प्रमुख रूप से देखा जावे तो सबसे अधिक परेशानी का सामना तो महिला यात्रियों के साथ मरीजों को करना पड़ती है, क्योंकि बैठने की व्यवस्था नही होने से जहां बसों के इंतजार में मरीजों को काफी समय तक खडे रहना पड़ता है।

घर के अंदर घुसकर की तोड़फोड

चीचली। बीते हुये दिवस समीपस्थ ग्राम गांगई निवासी एक व्यक्ति द्वारा पुलिस थाने में अपनी शिकायत दर्ज कराते हुये बताया है कि मेरी पत्नि सरोज नामदेव एवं लड़की मिथलेश नामदेव घर पर थे कि तभी संदीप नामदेव एवं गांव का भूरा ठाकुर का लड़का जिसका नाम नहीं जानता हूँ, मेरे घर के समने आये और बोले कि तेरा लड़का विकास कहां है जो हमारे रिस्तेदार की लड़की को लेकर भागा है। इस बात को लेकर मैंने कहा कि मुझे नहीं पता है। इसी बात पर से दोनों एक राय होकर गंदी गंदी गालिया देते हुये घर का दरबाजा तोड़ते हुये घर के अंदर घुस गय और अंदर रखी हुई प्रार्थी की मोटर साईकिल, सिलाई मशीन एवं मोबाईल फोन में तोड़फोड़ करते हुये क्षति पहुंचाई तथा जान से मारने की धमकी दी गई।

पौष पूर्णिमा के पावन अवसर पर तेज ठंड भी नहीं रोक पाई माँ रेवा मैया के भक्तों में आस्था का जुनून, नर्मदा तटों पर कोहरे व ठंड के बीच लगाई लोगों ने डुबकी

हरिभूमि न्यूज/गाडरवारा। सदा ही क्षेत्रवासियों को अपना आर्शीवाद प्रधान करते हुये खुशहाल बनाने वाली माँ नर्मदाजी के भक्तों द्वारा वैसे तो हर पूर्णिमा को आस्था की डुबकी लगाने के लिये लोग माँ नर्मदा तटों पर पहुंचते है। मगर जिस तरह बीते हुये शनिवार यानि की पौष पूर्णिमा के अनोखें संगम के मौके पर माँ नर्मदा भक्तों के बीच आस्था को जुनून देखने मिला है वह निश्चित तौर से अनोखा था। क्योंकि तेज ठंड कोहरे के चलते जहां लोगों का अपने घरों में विस्तर से निकलना मुश्किल हो रहा था। मगर इसके बाद भी हजारों की संख्या में माँ रेवा मैया के भक्त इस तरह देखे जा रहे थे कि यह ठंड भी उनके दिलों में पैदा ही भक्ति की भावना को रोकने में असफल रही और इसके बाद भी माँ नर्मदा के लिये पैदल जाने वाले भक्तों की नगर की सड़को पर रात भर लाईन लगी हुई देखी गई जिसमें बच्चों से लेकर महिला पुरूष व वृद्व तक शामिल थें। माँ नर्मदाजी की आराधना में लीन भक्त जन रात के समय इस तरह पैदल नर्मदाजी के स्नान करने जाने वाले लोगों में सिर्फ पुरूष ही नही बल्कि इस तरह छोटे छोटे छोटे बच्चे भी शामिल थें जो गाडरवारा शहर के साथ यहां से लगभग 20-25 किलो मीटर दूर से पैदल चलकर माँ नर्मदाजी के स्नान करने के लिये ककरा घाट जा रहे थें। समीपस्थ ग्राम सूखाखैरी निवासी माँ नर्मदा भक्त एक महिला ने चर्चा करते हुये बताया कि वह हर पूर्णिमा को पैदल चलकर नर्मदाजी के स्नान करने के लिये जाती है। इस तरह हम अपने घर से दोपहर दो बजे के लगभग पैदल निकलते है और शाम 7-8 बजे गाडरवारा पहुंच जाते है और रात भर पैदल चलते हुये सुबह 5 बजे माँ नर्मदाजी के ककरा घाट पहुंचकर स्नान करते हुये पूजन अर्चन करते है। हमे कभी भी न तो कोई थकान होती है और न ही कोई परेशानी। इसी प्रकार से ग्राम ढ़ाना बारहाबडा निवासी एक 14 वार्षिय बालिका का कहना था कि हम अपने माता पिता सहित गांव के अन्य लोगों के साथ माँ नर्मदाजी के स्नान करने के लिये पैदल जाते है और इस तरह पूर्णिमा के मौके पर अनेको बार जा चुके है। मगर कभी कोई परेशानी नही हुई है। इसी प्रकार से जब वह शुक्रवार की शाम तेज ठंड के बीच नर्मदाजी के स्नानों के लिये पैदल जा रही थी तो नगर की पानी टंकी के पास पूर्व पार्षद व समाजसेवी मनोज पटैल द्वारा हर पूर्णिमा पर नर्मदा भक्तों के लिये चाय पिलाने के लिये की जाने वाली व्यवस्था के दौरान चाय पीने के लिये बैठे हुये नर्मदा भक्तों से चर्चा की गई तो उनका कहना था कि भले ही आज ठंड तेज है। मगर हम माँ नर्मदाजी के स्नान करने के लिये पैदल जाने का क्रम नही छोड़ सकते है। जब हम पैदल चलते है तो न ठंड लगती है और न ही कोई परेशानी होती है। क्योंकि इस धरती पर हर व्यक्ति की रक्षा करने वाले माँ नर्मदा ही है जब जिस माँ की पूजन अर्चन करने के लिये हम ला रहे है तो फिर वह माँ अपने बेटों को यदि कोई परेशानी होगी तो खुद ही उसे चंद मिनिटों में हरण करने से नही चूकेगी। इस तरह से ग्राम इमलिया पिपरिया से पैदल नर्मदा स्नान करने के लिये जा रही एक वृद्व लगभग 65 वार्षिय महिला से चर्चा की गई तो उसका कहना था कि यह पहला अवसर नही है कि जब हम माँ नर्मदाजी के स्नान करने के लिये पैदल जा रहे है। हमारे द्वारा हर साल इस तरह पूर्णिमा के मौके पर तीन चार बार पैदल जाते है। जब उनसे पूछा गया कि अम्माजी इस तरह आज तेज ठंड के बीच आपको परेशानी का सामना नही करना पड़ेगा.. तो उनका कहना था कि अब परेशानी तो घर बैठे भी आ सकती है। उसी परेशानी को माँ नर्मदाजी हरण करती है तो फिर जब उनके चरणों का आर्शीवाद लेने के लिये जा रहे है तो फिर परेशानी कहा से आ सकती है। इस तरह बीते हुये शुक्रवार की रात नगर की सड़को पर जहां इस तरह तेज ठंड के बीच हजारों की संख्या में माँ नर्मदा स्नान करने के लिये पैदल जाने वाले भक्तों के जत्थें रात भर निकलते हुये देखे गये तो दूसरी ओर सुबह होते ही क्षेत्र के गांवों में ट्रेक्टर ट्रालियों में सबार होकर भी हजारों लोग माँ नर्मदाजी के स्नान करने के लिये पहुंचे। इस तरह पौषी पूर्णिमा के मौके पर नर्मदा तटों पर उमड़े हुये हुजूम के चलते मेला जैसा दृश्य दिखाई पड़ने से नही चूक रहा था। इस तरह का हाल क्षेत्र के सिर्फ ककरा घाट का ही नही बल्कि शोकलपुर, झिकोली, थरेरी, कोठिया, घघरौला खुर्द, लिंगा खुर्द, भटेरा घाट सहित अन्य घाटों का भी देखने मिला जहां पर हजारों की संख्या में माँ नर्मदा भक्तों ने नर्मदा तटों पर पहुंचकर आस्था की डुबकी लगाते हुये पूजन अर्चन करते हुये अनेक जगहों पर भगवान सत्य नारायण जी की कथा संपन्न कराई गई तो अनेक लोगों द्वारा भंडारे के आयोजन भी किये गये। इस तरह हर पूर्णिमा के मौके पर क्षेत्र के ककरा घाट सहित अन्य घाटों पर माँ नर्मदाजी के स्नान करने के लिये पैदल जाने वाले भक्तों की भीड़ की लाईने लगी रहती है। मगर इन भक्तों को उस दौरान परेशानियों का सामना करने के लिये मजबूर होना पड़ता है कि भीड़ के बीच से रात रात भर भारी भरकम डम्परों की धमाचौकड़ी मजी रहती है। पूर्णिमा की पूर्व संध्या पर क्षेत्र के नर्मदा तटों को पहुंचने वाले मार्गो पर एक रात के लिये इस तरह भारी वाहनो की धमाचौकड़ी पर प्रतिबंध के लिये लगातार भक्तों द्वारा मांग उठाई जाने के बाद भी जिले के जिम्मेदार अधिकारियों से लेकर क्षेत्र के जनप्रतिनिधियों द्वारा नजर अंदाज किये जाने से नम्रदा भक्तों की जिन्दगी को खतरा पैदा होने से नही चूक पा रहा है? क्योंकि गाडरवारा के आलवा क्षेत्र के ग्राम सूखाखैरी, गोटीटोरिया, सिंहपुर, बारहाबड़ा, महगंवा सहित अन्य गांवों से पैदल जाने वाले नर्मदा भक्तों को देखा जाा है कि वह अपनी थकान मिटाने के लिये मुख्य रास्ते पर ही बैठ जाते है और बैठे बैठे बच्चों को नींद आने की स्थिति में वह चंद मिनिटों के लिये रास्तों पर ही सो जाते है। इस स्थिति में पूर्णिमा की पूर्व रात इन भारी भरकम डम्परों की धमाचौकड़ी किसी दिन इन माँ नर्मदाजी के भक्तों की जिन्दगी के लिये खतरा पैदा करने से नही चूक पायेगी?

आज नगर में पलोटन गंज सहित अनेक कालोनियों की बंद रहेगी विद्युत सप्लाई

हरिभूमि न्यूज/गाडरवारा। स्थानीय विद्युत कार्यालय से मिली जानकारी के अनुसार गाडरवारा विद्युत वितरण केन्द्र के अंतर्गत 33 के व्ही उप केन्द्र गाडरवारा व शनि मंदिर से निकलने वाले 33/11 के व्ही फीडर पर रख रखाव कार्य प्रस्तावित होने के चलते आज से बुधवार तक अलग अलग स्थानों पर विद्युत सप्लाई सुबह 11 बजे से दोपहर 2 बजे तक बंद रहेगी। बताया जाता है कि आज 4 जनवरी रविवार को टाउन फीडर क्रमांक 1 के अंतर्गत आने वाली इन्द्रा वार्ड, पलोटन गंज के आसपास का क्षेत्र, नर्मदा कालोनी, त्रिवेदी कालोनी, विजय कालोनी, चंद्र केशर कालोनी, राठी कालोनी, बल्लभ मार्केट, कामर्थ वार्ड, चौबे कालोनी, पलोड कालोनी, पानी टंकी का क्षेत्र, आई टी आई कालोनी सहित कोचर कालोनी की लाईट बंद रहेगी। इसी प्रकार से कल 5 जनवरी सोमवार को रेलवे फीडर के अंतर्गत आने वाले यशोदा नगर, इन्द्रा कालोनी, प्रतिभा कालोनी, खनूजा कालोनी, वृंदावन कालोनी, रेलवे कालोनी, गांधी व राजेन्द्र बाबू वार्ड, चीचली रोड, रेल्वे स्टेशन रोड का क्षेत्र। वही 6 जनवरी मंगलवार को शांति नगर फीडर के अंतर्गत आने वाले शांति नगर, जमाडा रोड, पंचवटी कालोनी, एमपीईबी कालोनी, न्यू गल्ला मंडी, पिपरिया रोड, आमगांव तिरहा क्षेत्र। इसी प्रकार से 7 जनवरी बुधवार को शनि मंदिर यानि की मंडी फीडर के अंतर्गत डोला बाबा, गोकुल धाम कालोनी, शमशान घाट क्षेत्र, गेढा बगीचा, ज्योति हास्पिटल के आस पास का क्षेत्र, निरंजन वार्ड, शास्त्री वार्ड, नया बस स्टैन्ड, पटैल वार्ड, गणेश मंदिर, छोटा सराफा व चौकी क्षेत्री की बिजली सुबह 11 बजे से दोपहर 2 बजे तक बंद रहेगी।

कई एकड़ जमीन और नलकूप सहित पक्के घर में होने के बाद भी गरीबों की सूची में नाम जुडवाकर गरीबों के हक पर किया जा रहा है अतिक्रमण

हरिभूमि न्यूज/कल्याणपुर। शासन की योजनाओं में मनमानी करना शायद अधिकारियो का आदत में बनता जा रहा है और इसी का परिणाम है कि सरकार द्वारा गरीबों का उद्वार करने के उद्वेश्य से चलाई जा रही अनेक योजनाओं के बाद भी गरीबों की स्थिति जहां की तहां है ओर आपत्र जरूर धनवान बनने में कोई कसर नही छोड़ रहे है? इस बात की सच्चाई नगर सहित गाडरवारा तहसील क्षेत्र के अंतर्गत ग्राम पंचायतों में देखने मिल सकती है जहां पर बताया जाता है कि जिस तरह से गरीबी रेखा व अति गरीबी रेखा सूची में लापरवाही की गई है, उससे पात्र लोगों के नाम तो नही जुड़े नही है। किन्तु अपात्रों के नाम अवश्य जोड़ दिये गये है..? जिसके चलते शासन की योजनाओं के चलते गरीबों को मिलने वाले हक का उपयोग अपात्र लोग आसानी से उठाते हुए देखे जा रहे है..? वही दूसरी ओर वास्तविक पात्र हितग्राही रोजी रोटी की तलाश में भटकने के लिए मजबूर हो रहे है? यदि इस क्षेत्र की गरीबी व अतिगरीबी रेखा सूची पर गौर किया जावे तो अनेक गांवों में इस प्रकार के लोग मिल

सकते है जिनके कई एकड़ खेतों में बने हुए नककूप्पों में मोटरे चल रही है और वह गरीबी रेखा की योजनाओं के हकदार बनते हुए शासन की योजनाओं का लाभ लेने के लिए लाइनों में सबसे पहले दिखाई देते है? यदि इमानदारी के साथ इस क्षेत्र की गरीबी रेखा सूची का ईमानदारी के साथ निरीक्षण किया जावे तो अनेक पंचायतों में इस प्रकार के गरीब मिल सकते है जो कई एकड़ जमीन के कास्तकारो होने के साथ साथ जिनकी पक्की बिल्डिग बनी हुई वही गर्मी के दिनों में बिल्ड़गों से कूलरों की डंडी हवाये निकल नही चूकती है। उन लोगों को इस सूची में शामिल करना अधिकारियों की लापरवाही या फिर प्रभावशालियों के दबाव का नतीजा ही माना जा सकता है..? जिसके चलते अधिकारियों व कर्मचारियों द्वारा शासन के आदेशों को दर किनार करते हुए गरीबों की योजनाओं के हकदार साधन संपन्नों को बना दिया गया है? जबकि गौर किया जावे तो क्षेत्र में अनेक भूमिहीन गरीब इस प्रकार से घूमते हुए देखे जा सकता है जो शासन की योजनाओं का लाभ लेने के लिए जहां अधिकारियों के चक्कर काटने के लिए मजबूर देखे जा रहे है..? जिस प्रकार की कार्य प्रणाली के चलते शासन की योजनाओं में पलीता लगाया जाना आम हो चुका है, जो गरीबों का हक अमीरों के लिए वरदान बना हुआ है? क्षेत्र वासियों का कहना है कि एक ओर जहां सरकार तो खुलीमंचों से गरीबों को लाभ देने की बात कह रही है मगर उन गरीबों को उनकी योजनाओं का लाभ लेने के लिए पात्र बनने ही नही दिया जा रहा है, यदि यहां की सूचियों की जांच की जावे तो गरीबों रेखा में ऐसे लोग पाये जा सकते है जिनके खेतों की सिंचाई करने के लिए कई नलकूपों से पानी निकाल रह है और वह गरीबी रेखा के माध्यम से सरकार द्वारा गरीबो के लिए चलाई जा रही योजनाओं पर अतिक्रमण किये बैठे हुए है।

शिक्षा मंत्री पहुंचे ग्राम भैरोपुर सहित पापरा, ग्रामीणों से मुलाकात करते हुये सुनी समस्या

हरिभूमि न्यूज/गाडरवारा।

क्षेत्र के विधायक व प्रदेश के शिक्षा तथा परिवहन मंत्री राव उदय प्रताप की जिस तरह मिलनसार शैली रही है वह आज भी उसी आधार पर लोगों के बीच पहुंचकर मुलाकात करने से नही चूकते है। उनके लिये अपनी पार्टी का नेता हो या फिर आम व्यक्ति सभी को सम्मान देते हुये देखे जाते है। इसी प्रकार से वह बीते हुये दिवस गाडरवारा जाते समय ग्राम बेलखेड़ी सहित ग्राम भैरोपुर व ग्राम पापरा गांव पहुंचे जहां पर उन्होंने अपनी पार्टी के वरिष्ठ नेताओं के आलवा भाजपा पदाधिकारियों, कार्यकर्ताओं सहित ग्रामवासियों से मुलाकात की गई। बताया जाता है कि इस दौरान उन्होने देश के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी व प्रदेश के मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव के नेतृत्व में जनता के हितों को ध्यान में रखते हुये चलाई जा रही है जनकल्याणकारी योजनाओं को लेकर ग्रामीणों से चर्चा की गई। वही विकास कार्यों एवं सुशासन की दिशा में हो रहे प्रयासों पर विस्तार पर भी चर्चा की गई। इस दौरान ग्रामवासियों ने अपने सुझाव सहित अपनी समस्याओं से अवगत कराये जाने पर शीघ्र की उनके निराकरण का भरोसा दिया गया। इस अवसर पर जिला महामंत्री डॉ. हरगोविंद पटेल, ठाकुर राजीव सिंह, पूर्व जनपद अध्यक्ष वीरेंद्र फौजदार, सरदार सिंह पटेल, मनोज शर्मा, निरंजन सिंह पटेल , अखिलेश जयवार, विक्रम ममार, अभिषेक कौरव, रूपेश कौरव सहित अन्य लोग मौजूद थें।

क्षेत्र के ऑनलाइन केंद्रों पर 'जीरो बैलेंस' के नाम पैसा वसूले जाने का आरोप...

हरिभूमि न्यूज/गाडरवारा। बताया जाता है कि नगर सहित क्षेत्र की चीचली, सांईखेड़ा में संचालित हो रहे ऑनलाइन कियोस्क और चॉइस सेंटरों पर मनमानी करते हुये ग्रामीणों को गुमराह करते हुये पैसा बसूले जा रहे है। इस संबंध में बताया जाता है कि शासन के स्पष्ट निर्देशों के बावजूद भी इन केंद्र संचालक भोली-भाली जनता को गुमराह कर जीरो बैलेंस खाता खोलने के नाम पर 200 रुपये से लेकर 300 रुपये तक की अवैध रूप से पैसा वसूलने का आरोप लगाया जा रहा है..? नियम के अनुसार भारत सरकार की 'जन-धन योजना' और आरबीआई के नियमों के अनुसार, किसी भी सरकारी या निजी बैंक में बेसिक सेविंग बैंक डिपॉजिट अकाउंट या जीरो बैलेंस खाता खोलना पूरी तरह निःशुल्क होता है..। वही बैंक द्वारा इन केंद्रों को खाता खोलने के बदले अलग से कमीशन प्रदान करता है। लेकिन इसके बावजूद केंद्र संचालक हितग्राहियों पैसा वसूले जाने का आमजन द्वारा आरोप लगाया जा रहा है?

बिजली की आँख मिचौली से शहर से लेकर ग्रामीणजन हो रहे परेशान, अधिकारी नहीं दे रहे हैं ध्यान

हरिभूमि न्यूज/कल्याणपुर। इस समय देखा जा रहा है कि जहां बिजली विभाग द्वारा शहर से लेकर ग्रामवासियों को मन माफिक बिल देते हुए महगांई के दौर में उनकी घरों के बजट को विगाड़ते हुये उत्सह को तो फीका कर दिया गया है। मगर वही दूसरी ओर जिस प्रकार से बिजली कटौती की जा रही है उसके चलते लोगों को मुश्किल में डाल दिया गया है। बताया जाता है कि इस समय शहर से लेकर गाँवो में जिस प्रकार से बिजली की आँख मिचौली चल रही है, उसके चलते लोग परेशान हो रहे है तो वही दूसरी ओर बच्चें अपनी पढ़ाई नही कर पा रहे है। इस संबंध में बिजली विभाग के अधिकारियों से संपर्क किया जाता है तो उनके द्वारा कह दिया जाता है कि अचानक बिजली लाईन में खराबी आ जाने के कारण बंद हुई है सुधार कार्य चल रहा है। जबकि गौर किया जावे तो पूर्व बिजली विभाग द्वारा सुधार के नाम पर संपूर्ण नगर की बिजली बंद रखी गई थी, और कहा गया था कि अब जरूरत के दौरान लोगों को बिजली की परेशानी का सामना नही करना पड़ेगा। मगर इसके बाद भी देखा जा रहा है कि क्षेत्र में प्रतिदिन दिन रात में अनेकों को बार बिजली अचानक बंद हो रही है, जिससे बिजली विभाग द्वारा पूर्व के समय में किये गये सुधार कार्य को लेकर जहां अनेक सबाल खड़े हो रहे है। वही दूसरी ओर यह सबाल भी उठ रहा है कि आखिर में किस प्रकार से सुधार हुआ था जिसके चलते अब बारिश के समय में लोगों को परेशानियों का सामना करने के लिए मजबूर होना पड़ रहा है, जो जरा सा पानी गिरते ही बिजली बंद हो रही है। अब सबाल यही पैदा हो रहा है कि क्या बिजली सुधार कार्य के नाम पर सिर्फ औपचारिकता ही निभाई गई थी या फिर शासन के पैसा की होली खेली गई थी? इस प्रकार से बिजली की

नपा अध्यक्ष के निर्देश पर नगर की जल प्रदाय की गुणवत्ता पर किया जावेगा सुधार

हरिभूमि न्यूज/गाडरवारा।

दूषित पानी पीने के चलते प्रदेश के इंदौर शहर में घटित हुई घटना के चलते अब संपूर्ण प्रदेश में जागरूकता दिखाई देते हुये जान पड़ रही है। इसी के चलते स्थानीय नगर पालिका द्वारा भी नगरवासियों की जिन्दगी को सुरक्षित रखने के लिये जरूरी कदम उठाना शुरू कर दिया गया है। बताया जाता है कि बीते हुये दिवस नगर पालिका अध्यक्ष द्वारा नगर में होने वाले जल प्रदाय की गुणवत्ता पर ध्यान देने के साथ सुधार को लेकर आदेश दिये जाने के चलते मुख्य नगर पालिका अधिकारी वैभव देशमुख द्वारा संबंधित विभाग को जरूरी दिशा निर्देश जारी किये गये है। जानकारी के अनुसार नगर की जलप्रदाय प्रणाली की अनुरक्षण व्यवस्था पाईप लाईन रिसाव की पहचान व पेयजल सप्लाई की गुणवत्ता सुनिश्चित किये जाने हेतु अब नगरीय क्षेत्र के सभी 24

वार्डों में विशेष अभियान चलाया जाएगा। इस संबंध में सीएमओ वैभव देशमुख ने नपा अध्यक्ष पं. शिवाकांत मिश्रा के निर्देश के परिपालन में जारी किये गये है। जारी आदेश में उल्लेखित किया गया है कि ऐसे क्षेत्र जहां पाईप लाईन पुरानी होकर टूटी फूटी होने की अधिक शिकायतें मिल रही है उनकी सूची बनाई जाए। क्षेत्र में पेयजल सप्लाई की गुणवत्ता की शिकायतें जहां अधिक प्राप्त हो रही है उन क्षेत्रों को सूचीबद्ध किया जाए। साथ ही पेयजल सप्लाई की मुख्य लाईन में लगे बाल्व, चैम्बर की विशेष जांच की जावे कि कही से लीकेज तो नहीं है। ऐसे स्थानों को चिन्हित करते हुये सुधार किया जाए। नपा अध्यक्ष पं. शिवाकांत मिश्रा ने सभी नागरिकों से अपेक्षा व्यक्त की गई कि यदि कहीं भी पाईप लाईन फूटी है और यदि पाईप लाईन नालियों में से होकर गुजरने के चलते नलों में गंदा पानी आ रहा है तो शीघ्र की अवगत कराया जावे जिसमें सुधार किया जावे। वही व्यर्थ पानी का दुरूपयोग हो रहा है तो तत्काल अच्छे नागरिक होने का परिचय दें और नगर पालिका में आकर जल विभाग का अवगत कराया जावे जिससे जरूरी कदम उठाते हुये उस पर रोक लगाई जावे।

स्वास्थ्य शिविर में जा रहे मरीजों की बस राछु घाट पर खाई में गिरी, दो दर्जन से अधिक घायल

जिले के शहपुरा थाना क्षेत्र अंतर्गत राछु घाट के पास शनिवार सुबह लगभग 11 बजे एक बड़ा सड़क हादसा हो गया। स्वास्थ्य शिविर के तहत इलाज के लिए मरीजों को जबलपुर ले जा रही एक सवारी बस अनियंत्रित होकर सड़क किनारे लगी रेलिंग तोड़ते हुए गहरी खाई में जा गिरी। हादसे के बाद घटनास्थल पर अफरा-तफरी मच गई।

डिंडौरी।

जानकारी के अनुसार बस में बड़ी संख्या में मरीज एवं उनके परिजन सवार थे, जो स्वास्थ्य शिविर में इलाज कराने जबलपुर जा रहे थे। घाटी क्षेत्र में पहुंचते ही बस चालक वाहन पर नियंत्रण खो बैठा, जिससे बस सड़क से फिसलकर खाई में पलट गई। इस हादसे में दो दर्जन से अधिक यात्री घायल हो गए, जिनमें से कई यात्रियों की हालत गंभीर बताई जा रही है।

घटना की सूचना मिलते ही आसपास से गुजर रहे राहगीरों एवं स्थानीय लोगों ने तत्परता दिखाते हुए राहत कार्य शुरू किया और तुरंत 108 एंबुलेंस सेवा को सूचना दी। कुछ ही देर में मौके पर पहुंची एंबुलेंस की सहायता से सभी घायलों को शहपुरा सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र पहुंचाया गया, जहां डॉक्टरों और स्वास्थ्य कर्मियों की टीम द्वारा प्राथमिक उपचार किया गया।चिकित्सकों के अनुसार गंभीर रूप से घायल यात्रियों की स्थिति पर लगातार नजर रखी जा रही है और आवश्यकता पड़ने पर उन्हें जिला अस्पताल व जबलपुर रेफर किया जा सकता है। अस्पताल परिसर में घायलों के परिजनों की भीड़ बनी रही।वहीं, हादसे की जानकारी मिलते ही शहपुरा थाना पुलिस मौके पर पहुंची और यातायात व्यवस्था को सुचारू कराते हुए मामले की जांच शुरू कर दी। प्रारंभिक जांच में घना कोहरा और घाटी क्षेत्र में दृश्यता कम होना हादसे का संभावित कारण बताया जा रहा है। पुलिस द्वारा बस चालक से भी पूछताछ की जा रही है।प्रशासन की ओर से घायलों को हर संभव चिकित्सा सहायता उपलब्ध कराने के निर्देश दिए गए हैं। हादसे ने एक बार फिर घाटी क्षेत्रों में यात्री बसों की सुरक्षा और सावधानी को लेकर सवाल खड़े कर दिए हैं।

खबर संक्षेप

शहपुरा थाना क्षेत्र में आगजनी की बड़ी घटना, किसान को भारी नुकसान

शहपुरा - डिंडोरी जिले के शहपुरा थाना क्षेत्र अंतर्गत छिंदहन चरगांव में बीती रात करीब 4 बजे अचानक आगजनी की घटना सामने आई। गांव में 11 केवी बिजली लाइन के नीचे रखा धान का पैरा बिजली तार टूटने से हुए शॉर्ट सर्किट के कारण आग की चपेट में आ गया। आग लगते ही इलाके में अफरा-तफरी मच गई। आसपास के ग्रामीण मौके पर पहुंचे और अपने स्तर पर आग बुझाने का प्रयास किया, लेकिन तब तक आग ने पूरे पैरा को अपनी चपेट में ले लिया था। देखते ही देखते किसान का पूरा धान का पैरा जलकर खाक हो गया।ग्रामीणों द्वारा आग पर काबू पाने की कोशिश की गई, लेकिन आग इतनी तेज़ थी कि उसे बचाया नहीं जा सका। घटना में किसान को भारी आर्थिक नुकसान हुआ है। ग्रामीणों ने प्रशासन से मुआवज़े की मांग की है।

लापरवाही पर जिला पंचायत सीईओ की सख्त कार्रवाई

डिंडोरी। पीएम पोषण (मध्यान्ह भोजन) कार्यक्रम के संचालन में गंभीर लापरवाही पाए जाने पर जिला पंचायत के मुख्य कार्यपालन अधिकारी दिव्यांशु चौधरी ने कड़ा कदम उठाया है। जनपद पंचायत समनापुर अंतर्गत ग्राम बम्हनी में संचालित करिश्मा स्व-सहायता समूह का अनुबंध तत्काल प्रभाव से निरस्त कर दिया गया है। जिला पंचायत द्वारा जारी आदेश के अनुसार अब संबंधित शाला में भोजन वितरण की जिम्मेदारी शाला प्रबंधन समिति को सौंपी गई है।यह कार्रवाई 14 अगस्त 2025 को जनपद पंचायत समनापुर के मुख्य कार्यपालन अधिकारी द्वारा किए गए आकस्मिक निरीक्षण के बाद की गई। निरीक्षण में पाया गया कि समूह द्वारा न तो निर्धारित मीनू के अनुसार भोजन परोसा जा रहा था और न ही भोजन की गुणवत्ता व मात्रा शासन द्वारा तय मानकों के अनुरूप थी। इस संबंध में ग्रामवासियों द्वारा सीएम हेल्पलाइन पर भी कई बार शिकायतें दर्ज कराई गई थीं। विद्यालय के शिक्षकों द्वारा लगातार समझाइश दिए जाने के बावजूद समूह के कार्य में कोई सुधार नहीं हुआ और बच्चों को प्रतिदिन एक जैसा भोजन दिया जा रहा था।प्रकरण में समूह को कारण बताओ नोटिस जारी किया गया था, किंतु कोई संतोषजनक जवाब प्रस्तुत नहीं किया गया। त्रि-स्तरीय समिति की रिपोर्ट तथा अनुबंध शर्तों के उल्लंघन को आधार बनाते हुए जिला पंचायत सीईओ ने यह निर्णय लिया। आदेश के तहत प्राथमिक एवं माध्यमिक शाला बम्हनी में पीएम पोषण कार्यक्रम का संचालन अब शाला प्रबंधन समिति द्वारा किया जाएगा। यह आदेश तत्काल प्रभाव से लागू कर दिया गया है, ताकि बच्चों को पोषण आहार निर्बाध रूप से प्राप्त होता रहे।

उपार्जित धान के भण्डारण, परिवहन के संबंध में मिलर के साथ बैठक संपन्न

हरिभूमि न्यूज अनूपपुर। प्रभारी कलेक्टर एंव जिला पंचायत के मुख्य कार्यपालन अधिकारी श्रीमती अर्चना कुमारी की अध्यक्षता में वर्ष 2025-26 कि मिलिंग के संबंध में समीक्षा बैठक का आयोजन किया गया। बैठक मे जिला आपूर्ति अधिकारी श्रीमती अनीता सोरते, नागरिक आपूर्ति निगम की जिला प्रबंधक श्रीमती प्रियंका पठारिया, अरबिंद सिंह, कनिष्ठ आपूर्ति अधिकारी एवं सभी मिलर उपस्थित रहे। बैठक में उपस्थित मिलरों से मिलिंग अनुबंध करने के संबंध में चर्चा की गई, जिसमें मिलरों के द्वारा वर्ष 2025-26 की अपग्रेडेशन राशि एवं विगत वर्ष 2024-25 कि मिलिंग राशि प्राप्त न होने के संबंध में अवगत कराया। प्रभारी कलेक्टर द्वारा उपार्जित धान के भण्डारण कमी को देखते हुए जिले की मिलों में उपलब्ध रिक्त गोदामों में भण्डारण के साथ-साथ अन्तर जिला परिवहन कराने हेतु निर्देशित किया गया।

प्रशासनिक सूझबूझ से एनएच-45 निर्माण एवं सीएम राइज स्कूल के संरक्षण की दिशा में पहल

डिंडौरी।

जबलपुर-अमरकंटक राष्ट्रीय राजमार्ग एनएच-45 के चौड़ीकरण कार्य एवं ग्राम नरिया में नवनिर्मित सीएम राइज स्कूल भवन के अस्तित्व को लेकर उत्पन्न तकनीकी गतिरोध अब जिला प्रशासन के हस्तक्षेप से सुलझने की दिशा में अग्रसर होता दिखाई दे रहा है। स्कूल की बाउंड्री वॉल एवं भवन का कुछ हिस्सा हाईवे की जद में आने से निर्माण कार्य में बाधाएँ उत्पन्न हो रही थीं।भारतीय राष्ट्रीय राजमार्ग प्राधिकरण के प्रतिनिधियों द्वारा स्पष्ट किया गया कि एनएच-45 का निर्माण पूर्व निर्धारित एवं अधिसूचित नक्शे के अनुरूप किया जा रहा है तथा सड़क की चौड़ाई निर्धारित मानकों के अनुसार रखना अनिवार्य है। वहीं दूसरी ओर, नरिया स्थित सीएम राइज स्कूल हाल ही में बनकर तैयार हुआ है, जो शासन की एक महत्वाकांक्षी शैक्षणिक योजना है और जिस पर करोड़ों रुपये की लागत आई है। ऐसे में भवन का कोई भी हिस्सा क्षतिग्रस्त होने से न केवल शासकीय संपत्ति को नुकसान होता, बल्कि विद्यार्थियों की शिक्षा एवं सुरक्षा भी प्रभावित होती।

स्थिति की गंभीरता को देखते हुए कलेक्टर अंजू पवन भदौरिया ने मौके पर पहुँचकर स्थल निरीक्षण किया तथा दोनों पक्षों की बात सुनी। कलेक्टर ने स्पष्ट कहा कि विकास कार्य आवश्यक हैं, लेकिन शिक्षा के मंदिरों को नुकसान पहुँचाकर नहीं। उन्होंने निर्देशित किया कि हाईवे निर्माण एवं स्कूल भवन दोनों के बीच संतुलन स्थापित किया जाए।

कलेक्टर द्वारा एनएच प्राधिकरण के प्रतिनिधियों को निर्देश दिए गए कि वे अपने वरिष्ठ अधिकारियों एवं तकनीकी विशेषज्ञों से चर्चा कर ऐसा समाधान तलाशें, जिससे हाईवे निर्माण कार्य भी निर्बाध रूप से चलता रहे और स्कूल की नवनिर्मित इमारत को कोई क्षति न पहुँचे। उन्होंने कहा कि शासन की संपत्ति एवं बच्चों का भविष्य दोनों समान रूप से महत्वपूर्ण हैं, इसलिए तकनीकी पहलुओं की पुनः समीक्षा कर आवश्यक डिजाइन सुधार की संभावनाएँ खोजी जाएँ। कलेक्टर के इस संवेदनशील एवं दूरदर्शी कदम से स्थानीय ग्रामीणों एवं स्कूल प्रबंधन ने राहत की सांस ली है। जिला प्रशासन की इस पहल से यह संदेश स्पष्ट है कि प्रगति और शिक्षा साथ-साथ चल सकती हैं।

60 दिन काम करने वाले मनरेगा श्रमिकों के युवाओं को मिलेगा कौशल प्रशिक्षण, प्रोजेक्ट उन्नति से रोजगार की तैयारी

डिंडौरी।

मनरेगा के तहत कार्य करने वाले जॉबकार्डधारी श्रमिक परिवारों के युवाओं को अब स्थायी आजीविका का अवसर मिलेगा। इसके लिए शासन द्वारा प्रोजेक्ट उन्नति के अंतर्गत ग्रामीण स्वरोजगार प्रशिक्षण संस्थान (आरसेटी) एवं प्रधानमंत्री कौशल विकास योजना के माध्यम से कौशल प्रशिक्षण प्रदान किया जाएगा।वित्तीय वर्ष 2018-19 से अब तक मनरेगा अंतर्गत न्यूनतम 60 दिवस का कार्य करने वाले जॉबकार्डधारी परिवारों के इच्छुक एवं पात्र युवाओं को इस योजना का लाभ दिया जाएगा। योजना का मुख्य उद्देश्य अकुशल श्रमिकों एवं उनके परिवार के व्यस्क सदस्यों को कौशल प्रशिक्षण देकर उन्हें स्वरोजगार एवं स्थायी आजीविका से जोड़ना है।

मुख्य कार्यपालन अधिकारी जिला पंचायत दिव्यांशु चौधरी ने बताया कि जिन जॉबकार्डधारी परिवारों ने पूर्व में प्रोजेक्ट उन्नति के अंतर्गत प्रशिक्षण प्राप्त नहीं किया है, उन्हें प्राथमिकता के आधार पर चयनित किया जाएगा। हितग्राहियों को उनकी रुचि एवं योग्यता के अनुसार आरसेटी और प्रधानमंत्री कौशल विकास योजना के माध्यम से प्रशिक्षण प्रदान किया जाएगा। जिले को वर्ष 2025-26 के लिए कुल 143 हितग्राहियों को प्रशिक्षित करने का लक्ष्य निर्धारित किया गया है।प्रोजेक्ट उन्नति के अंतर्गत 18 से 45 वर्ष आयु वर्ग के जॉबकार्डधारी परिवार के सदस्य पंजीकरण करा सकेंगे। हितग्राही चयन एवं पंजीयन की प्रक्रिया आरसेटी एवं राज्य ग्रामीण आजीविका मिशन के माध्यम से की जाएगी। विकासखंड स्तर पर मुख्य कार्यपालन अधिकारी जनपद पंचायत नोडल अधिकारी होंगे, जिनके साथ विकासखंड प्रबंधक राज्य ग्रामीण आजीविका मिशन एवं अतिरिक्त कार्यक्रम अधिकारी दल में शामिल रहेंगे।जिले के समस्त विकासखंडों की ग्राम पंचायतों में सचिव एवं ग्राम रोजगार सहायक द्वारा सर्वेक्षण कर इच्छुक एवं सक्षम उम्मीदवारों की पहचान की जाएगी। चयनित उम्मीदवारों की प्रारंभिक काउंसलिंग कर उनकी रुचि के अनुसार ट्रेड का चयन किया जाएगा। पात्र उम्मीदवारों का पंजीकरण कौशल पंजी एप एवं पोर्टल के माध्यम से 09 जनवरी 2026 तक किया जाएगा। इसके पश्चात चयनित ट्रेड के अनुसार उन्हें कौशल प्रशिक्षण प्रदान किया जाएगा। प्रोजेक्ट उन्नति के माध्यम से जिले के मनरेगा श्रमिक परिवारों के युवाओं को रोजगारपरक प्रशिक्षण देकर उन्हें आत्मनिर्भर बनाने की दिशा में यह एक महत्वपूर्ण पहल मानी जा रही है।

रातों-रात जेसीबी से यात्री प्रतीक्षालय ध्वस्त, ग्राम पंचायत ने दर्ज कराई शिकायत

सरकारी प्रतीक्षालय ध्वस्त करने वालों के एफआईआर दर्ज करने की माँग

डिंडौरी।

विक्रमपुर ग्राम अंतर्गत ग्राम पंचायत कसई सोढ़ा के बस स्टैंड परिसर में वर्षों से संचालित शासकीय प्रतीक्षालय को शुक्रवार की रात अज्ञात व्यक्ति द्वारा जेसीबी मशीन से ध्वस्त कर दिए जाने का गंभीर मामला सामने आया है। इस घटना से ग्रामीणों में भारी आक्रोश व्याप्त है और प्रशासन की कार्यप्रणाली पर भी सवाल खड़े हो रहे हैं।

ग्रामीणों के अनुसार उक्त प्रतीक्षालय का उपयोग वर्षों से यात्रियों द्वारा किया जा रहा था। गर्मी के मौसम में यहां प्याऊ की व्यवस्था भी की जाती थी, जिससे राहगीरों और ग्रामीणों को राहत मिलती थी। वर्तमान में राजमार्ग निर्माण कार्य के तहत नाली निर्माण का कार्य प्रगति पर है, लेकिन नाली निर्माण से प्रतीक्षालय को किसी प्रकार की बाधा या आपत्ति नहीं थी, इसके बावजूद अज्ञात कारणों से इसे तोड़ दिया गया।

ग्राम पंचायत ने की कड़ी कार्रवाई की मांग - घटना को लेकर ग्राम पंचायत कसई सोढ़ा द्वारा पुलिस चौकी विक्रमपुर में लिखित शिकायत दर्ज कराई गई है। शिकायत में शासकीय संपत्ति को नुकसान पहुंचाने के आरोप में एफआईआर दर्ज करने, दोषियों के खिलाफ दंडात्मक कार्रवाई, तथा घटना में प्रयुक्त जेसीबी मशीन को जब्त करने की मांग की गई है।ग्राम पंचायत कसई सोढ़ा के सरपंच ने कहा कि यह शासकीय संपत्ति को जानबूझकर नुकसान पहुंचाने का मामला है और इसके लिए जिम्मेदार लोगों पर कठोर कार्रवाई होना चाहिए।वहीं उपसरपंच ने इसे सीधे तौर पर गुंडागर्दी करार देते हुए कहा कि प्रशासन को तत्काल सख्त कदम उठाने चाहिए, ताकि भविष्य में इस तरह की घटनाओं की पुनरावृत्ति न हो।

ग्रामीणों की चेतावनी - समस्त ग्रामवासी कसई सोढ़ा (विक्रमपुर) ने एक स्वर में मांग की है कि दोषियों के खिलाफ शासकीय संपत्ति को ध्वस्त करने के अपराध में एफआईआर दर्ज कर जुर्माना वसूला जाए, और उसी राशि से उसी स्थान पर नया प्रतीक्षालय निर्माण कराया जाए। ग्रामीणों ने चेतावनी दी है कि यदि एक सप्ताह के भीतर कार्रवाई कर निर्माण कार्य प्रारंभ नहीं किया गया, तो वे आंदोलन करने के लिए बाध्य होंगे, जिसकी सम्पूर्ण जिम्मेदारी प्रशासन की होगी। फिलहाल पुलिस द्वारा शिकायत के आधार पर मामले की जांच की जा रही है।

बिछिया में दो स्थानों पर हुआ बोरी बंधान कार्यक्रम

डिंडोरी।

मध्य प्रदेश जन अभियान परिषद के मार्गदर्शन में नवांकुर संस्था जनजीवन कल्याण समिति, बिछिया तथा मुख्यमंत्री सामुदायिक नेतृत्व क्षमता विकास पाठ्यक्रम (CMCLDP) के अंतर्गत अध्ययनरत छात्रों के संयुक्त प्रयास से ग्राम बिछिया में दो स्थानों पर बोरी बंधान कार्यक्रम सफलतापूर्वक सम्पन्न हुआ।कार्यक्रम के अंतर्गत खेतीहर भूमि के मध्य से गुजर रहे नाले पर बोरी बंधान किया गया, जिससे जल संरक्षण को बढ़ावा मिलेगा। इस पहल से क्षेत्र का भूमिगत जल स्तर सुरक्षित रहेगा, वहीं गर्मी के मौसम में पशुओं, वन्यजीवों एवं ग्रामीणों को पर्याप्त जल उपलब्ध हो सकेगा। जल संरक्षण की इस पहल से ग्रामीणों में उत्साह देखा गया तथा उन्होंने छात्रों एवं संस्थाओं द्वारा किए जा रहे सामाजिक प्रयासों की सराहना की।

कार्यक्रम में जन अभियान परिषद डिंडोरी के विकासखंड समन्वयक गणेश राजपूत, नवांकुर संस्था से अजय ठाकुर, मेंटर प्रकाश राजपूत सहित CMCLDP पाठ्यक्रम के छात्र-छात्राएं बलदाऊ बिलागर, रिंकी पाराशर, ललिता, धनेश्वरी, राजकुमार, गट्टू, राजेश, मानसिंह एवं अन्य सदस्य उपस्थित रहे।

नियम को ताक में रख मालवाहक वाहन ढो रहे सवारी

यातायात, परिवहन व पुलिस की कार्यप्रणाली पर उठ रहे सवाल

हरिभूमि न्यूज कोतमा।

मालवाहक वाहनों में सवारी ढोई जा रही है। जिसके कारण दुर्घटना का अंदेशा बना रहता है। खासतौर पर ग्रामीण अंचलों में यह समस्या सबसे अधिक देखने को मिलती है। बावजूद इसके मालवाहक वाहनों पर किसी भी तरह की यातायात विभाग के द्वारा कार्यवाही नहीं की जा रही है। पूर्व में करीब दर्जन भर से अधिक घटनाएं हो चुकी है, जिसमें लोगों की मौत भी हो चुकी है। नगर सहित ग्रामीण एवं कोयलांचल क्षेत्र में मालवाहक वाहनों में सवारी ढोने का कार्य रोजाना किया जा रहा है। जानकारी के अनुसार ग्रामीण अंचलों में आवागमन के साधन कम होने के कारण मालवाहक वाहनों से सवारियां ढोने का कार्य किया जाता है। क्षेत्र में ठेकेदारों द्वारा मजदूरों को काम पर लाने ले जाने के लिए मालवाहक वाहनों का उपयोग किया जा रहा है। जिसमें क्षमता से अधिक सवारियां बैठाकर ले जाया जाता है। ऐसे में कभी भी घटना हो सकती है। मोटर व्हीकल एक्ट में साफ तौर पर मालवाहक वाहनों में सवारियां ढोने पर पाबंदी है। हादसे होने की स्थिति में अपनी जान गंवाने वाले तथा घायल होने वाले लोगों को मुआवजे का भी प्रावधान नहीं है। बावजूद इसके ऐसे मालवाहक वाहनों पर कार्यवाही नहीं हो पा रही है। पूर्व में नगर सहित कोयलांचल एवं ग्रामीण क्षेत्र में माल वाहक वाहनों में बारात ढोई जा रही थी जिसके कारण कई दुर्घटनाएं भी घटित हो चुकी है। बावजूद इसके प्रशासन इसे गंभीरता से नहीं ले रहा है। जिसके कारण इनके हौसले बुलंद हैं।

हाईवे क्रमांक 43 पर कई स्थान बना डेंजर पॉइंट

पान की गुमटी, ढाबा, गैरेज व पंचर दुकान में लगता है वाहनों का जमाबड़ा

हरिभूमि न्यूज कोतमा। कोतमा नगर से होकर गुजरने वाली नेशनल हाईवे क्रमांक 43 पर कई स्थान डेंजर पॉइंट बन चुके हैं खासकर मोड वाले स्थान पर दोनों ओर खड़े वाहनों की ओर से सामने की सड़क दिखाई नहीं देती जो हादसे को आमंत्रण देते रहते हैं। कई बार हादसे भी हो चुके हैं इसके बाद भी संबंधित विभाग द्वारा आवागमन की सुगमता तथा सुरक्षा व्यवस्था की अनदेखी की जा रही है। नगर के फॉरेस्ट डिपो के पास से बुढानपुर चौराहा, केशवाही चौराहा, गोहंड्रा चौराहा, बसखली चौराहा तक करीब 5 किलोमीटर के दायरे में यात्रा करना सबसे मुश्किल भरा होता है।

हरिभूमि

नर्मदा भूमि

[करेली | तेंदूखेड़ा | श्रीधाम | सालीचौका | सुआतला | गाडरवारा | राजमार्ग | साईंखेड़ा | चीचली | करकबेल]

जबलपुर, रविवार 4 जनवरी 2026

login : www.haribhoomi.com

कलेक्टर एवं एसपी ने किया नेशनल हाइवे के ब्लैक स्पॉट का निरीक्षण

जिले मे होने वाली दुर्घटनाओं को रोकने का संयुक्त प्रयास

हरिभूमि न्यूज - नरसिंहपुर।

जिले मे होने वाली सड़क दुर्घटनाओं को रोकने के लिए जिला प्रशासन प्रतिबधित है। प्रशासन द्वारा दुर्घटनाओं को रोकने के प्रयास में कार्यरत है। सड़क दुर्घटनाओं के कारण कई परिवार बर्बाद हो चुके है जिसे रोकने हेतु प्रशासनिक कार्रवाई जारी है। इसी क्रम में शनिवार को कलेक्टर श्रीमती रजनी सिंह और पुलिस अधीक्षक डॉ. ऋषिकेश मीणा ने संयुक्त रूप से नेशनल हाईवे क्रमांक 44 और 45 के चिन्हित ब्लैक स्पॉटों का निरीक्षण शनिवार को किया। इस दौरान एनएचएआई के प्रोजेक्टर डायरेक्टर अनिल कुमार और यातायात थाना प्रभारी श्रीमती ममता तिवारी सहित अन्य अधिकारी- कर्मचारी मौजूद थे। कलेक्टर और एसपी ने जिले के सीमावर्ती ग्राम खापा मोड़, डुडवारा, लवेरी, मुंगवानी, बचई, मगरधा चैराहा, कृष्णा ढाबा करेली, कोदसा- इमलिया- करेली, हाईवे लगे बरमानखुर्द मार्ग, सुआतला स्थित चरगुवां तिराहा सहित अन्य ब्लैक स्पॉटों का निरीक्षण किया।

सुचारू रहे यातायात व्यवस्था

निरीक्षण के दौरान उन्होंने मगरधा ब्लैक स्पॉट पर सर्विस रोड का निर्माण करने, बचई सुगर मिल के पास गन्ना ट्रेक्टर- ट्रॉली के लिए अलग से सर्विस रोड, रोड मार्किंग और रबर स्टिप लगाने के निर्देश दिए। कार्मेल स्कूल के पास सर्विस लेन और वैहर तिराहा के पास स्टोरेज लेन के निर्माण के निर्देश दिए। उन्होंने विशेष रूप से नर्मदा नदी सतधारा पुल के पास बस स्थानक का निर्माण करने के निर्देश दिए, ताकि आने वाले श्रद्धालुओं बस यात्रियों को हाइवे पर सुरक्षित बस में चढ़ने व उतरने में सुविधा मिल सके और यातायात बाधित न हो। मकर संक्रांति पर्व पर लगने वाले बरमान मेले को दृष्टिगत रखते हुए यातायात प्रबंधन के लिए सर्विस रोड और बस स्टॉप प्वाइंट का निर्माण प्राथमिकता से कराने के निर्देश। इसके अलावा हाईवे पर दुर्घटना संभावित क्षेत्रों पर सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए साइन बोर्ड और रिफ्लेक्टर लगाने के निर्देश दिए। कलेक्टर श्रीमती सिंह ने एनएचएआई के प्रोजेक्ट डायरेक्टर को निर्देशित किया कि सभी सुधार कार्य निर्धारित समय सीमा में गुणवत्ता के साथ पूर्ण करें और चिन्हित ब्लैक स्पॉटों पर यातायात सुरक्षा को सर्वोच्च प्राथमिकता दें।

नियमों की अनदेखी बन रही कारण

जिले में ज्यादातर सडक दुर्घटनाओं की वजह वाहनों हाई स्पीड, सड़कों की खराब स्थिति, नशा करके वाहन चालन और यातायात नियमों का उल्लंघन रहती है। जिले में प्रतिवर्ष लगभग आठ सौ सड़क हादसे होते हैं, जिसमें तकरीबन दो से ढाई सौ लोगों की मौत इन हादसों से हो जाती है। वहीं घायलों की संख्या भी हजारों की संख्या मे पहुंच जाती है। जिले में जिस तरह से सडक दुर्घटनाएं बढ़ रही हैं, लोगों की असमय जान जा रही है, घायल हो रहे हैं उनसे वाहन चालक कोई सबक नहीं ले रहे हैं। जिले में सडक दुर्घटनाओं के तीन साल के आंकड़े स्पष्ट कर रहे हैं कि सडकों पर जोखिम लगातार बढ़ रहा है। दुर्घटनाओं में कमी लाने, वाहन चालकों को यातायात नियमों की जानकारी देने के साथ ही घटनाओं में घायल लोगों को त्वरित इलाज के लिए अस्पताल भिजवाने पुलिस की राहवीर जैसी योजना भी चल रही है। लेकिन बढ़ती घटनाओं के बाद भी वाहन चालक स्वयं अपनी सुरक्षा के प्रति जिम्मेदार नहीं दिख रहे हैं।

परिवार पर होता संकट

सड़क हादसों के कारण परिवार पर भारी संकट उत्पन्न हो जाता है। दुर्घटना के कारण केवल उसे ही दर्द नहीं देता जो हादसे का शिकार होता है बल्कि वह पूरे परिवार के लिए भी एक स्थाई दर्द दे जाता है। सड़क हादसे में पुत्र को खोने वाले एक माता-पिता को आज भी बेटे की कमी खलती है। वह बेटा जो परिवार की गुजर-बसर करता था, बूढ़े माता-पिता का सहारा था। लेकिन किसी वाहन की टक्कर ने बेटे को उनसे छीन लिया। घटना में मां और भाई की अनकही तकलीफ यह है कि हाइवे पर अज्ञात वाहन की टक्कर से युवा बेटे को इतनी गंभीर चोट लगी कि एक पखवाड़े से अधिक समय तक उसे अस्पताल में भर्ती कराना पड़ा। इलाज में लाखों रुपए खर्च हो गए। बेटे की जान तो बच गई लेकिन उसकी हालत अब ऐसी नहीं है कि वह कोई भागदौड़ भरा कार्य कर सके। हादसों के आंकड़ों के पीछे छिपी सच्चाई यह है कि हर हादसा किसी परिवार की खुशियां छीन लेता है। अपनों को खोने वाले परिजन आज भी उस दर्द से गुजर रहे हैं, जिसकी भरपाई किसी भी आंकड़े से संभव नहीं है। कई परिवारों के लिए सडक हादसे एक ऐसी त्रासदी बन गए हैं, जो जीवन भर का खालीपन छोड़ जाते हैं। सैकड़ों लोग हर वर्ष सडक हादसों में घायल होकर जीवन भर की शारीरिक, मानसिक पीड़ा झेलने को मजबूर हैं।

खबर संक्षेप

अवकाश में निदानात्मक कक्षाओं का संचालन

नरसिंहपुर। माध्यमिक शिक्षा मंडल की बोर्ड परीक्षाओं के परिणामों में सुधार तथा शैक्षणिक रूप से कमजोर विद्यार्थियों को मुख्यधारा से जोड़ने के उद्देश्य से शीतकालीन अवकाश के दौरान भी जिले के शासकीय हाई स्कूल एवं हायर सेकेंडरी विद्यालयों में निदानात्मक शिक्षण कक्षाओं का संचालन किया जा रहा है। यह कक्षाएं कलेक्टर श्रीमती रजनी सिंह के निर्देशन एवं मुख्य कार्यपालन अधिकारी जिला पंचायत गजेन्द्र सिंह नागेश के मार्गदर्शन में संचालित की जा रही हैं। जिला शिक्षा अधिकारी प्रतुल इन्दुरख्या द्वारा जिले के समस्त हाई स्कूल एवं हायर सेकेंडरी विद्यालयों में संचालित इन निदानात्मक कक्षाओं की ऑनलाइन मॉनिटरिंग की गई। इस दौरान उन्होंने अवकाश के दिनों में भी शिक्षण कार्य में लगे प्राचार्यों एवं शिक्षकों के प्रयासों की सराहना की तथा छात्र-छात्राओं से संवाद कर उनका उत्साहवर्धन किया।

महिला ने खाया जहर

नरसिंहपुर। गत दिवस थाना क्षेत्र कोतवाली के ग्राम खैरी निवासी 30 वर्षीय महिला द्वारा अपने ही घर पर अज्ञात कारणों से जहरीली वस्तु का सेवन कर लिया जिसे परिजनों द्वारा उपचार हेतु जिला चिकित्सालय लाया गया जहां पर उपचार जारी है।

ट्रेक्टर पलटने से युवक घायल

नरसिंहपुर। गत दिवस थाना क्षेत्र करेली के ग्राम करपगांव में खेत पर काम करते समय ट्रैक्टर पलटने से सत्य प्रकाश ठाकुर पिता मल्लु ठाकुर उम्र 34 वर्ष निवासी करपगांव थाना करेली घायल हो गया जिसे उपचार हेतु जिला चिकित्सालय लाया गया जहां पर उपचार जारी है।

गन्ना क्रेशर मे हाथ कटा

नरसिंहपुर। गत दिवस खेत में गन्ने का काम करने के लिए गई महिला का हाथ गन्ने के क्रेशर में कट गया जिसे उपचार हेतु जिला चिकित्सालय लाया गया। पुलिस ने बताया कि जमना बाई पति प्रमोद गौड़ निवासी उसरी थाना मुंगवानी मजदूरी करने के लिए गई हुई तभी हादसा हो गया। घायल का उपचार जिला चिकित्सालय मे जारी है।

सप्ताह में दो दिन लगेगा जैविक प्राकृतिक हाट बाजार

नरसिंहपुर। कलेक्टर श्रीमती रजनी सिंह के निर्देशन में और सीईओ जिला पंचायत गजेन्द्र सिंह नागेश के मार्गदर्शन में जिला मुख्यालय स्थित सुभाष पार्क के पास जिला पंचायत कॉम्प्लेक्स परिसर में सप्ताह में दो दिवस प्रत्येक सोमवार एवं गुरूवार को जैविक प्राकृतिक हाट बाजार लगाया जाएगा। उप संचालक कृषि मौरिस नाथ ने बताया कि जिला मुख्यालय स्थित सुभाष पार्क के पास जिला पंचायत कॉम्प्लेक्स परिसर में सोमवार 5 जनवरी को जैविकध प्राकृतिक हाट बाजार लगाया जाएगा। उन्होंने उक्त हाट बाजार में जनप्रतिनिधियों, अधिकारी- कर्मचारियों व आम नागरिकों से अधिक से अधिक संख्या में उपस्थिति की अपील की है। जैविक प्राकृतिक हाट बाजार में विभिन्न प्रकार की जैविक प्राकृतिक मूंग दाल, चना दाल, उड़द दाल, अरहर दाल, साग- सब्जी सहित प्राकृतिक गुड़ आदि का क्रय कर सकते हैं।

इंदौर की घटना को लेकर पुतला दहन आज

नरसिंहपुर। बीते दिनों इंदौर में नगर निगम की घोर लापरवाही के कारण गंदा पानी पीने की पाइप लाइन में मिलने से 14 से अधिक नागरिकों की दुखद मृत्यु एवं 150 से अधिक लोगों के गंभीर रूप से बीमार होकर अस्पताल में भर्ती होने की घटना, शासन की असफलता को उजागर करती है। उक्त गंभीर मामले में जब पत्रकार द्वारा जनहित से जुड़े सवाल पूछे गए, तो मध्य प्रदेश शासन के केबिनेट मंत्री कैलाश विजयवर्गीय द्वारा की गई असंवेदनशील एवं अभद्र टिप्पणी लोकतांत्रिक मूल्यों और पत्रकारिता की मर्यादा के खिलाफ है। जिसके विरोध में एनएसयूआई एवं युवा कांग्रेस द्वारा 4 जनवरी को स्थानीय सुभाष पार्क चैराहे पर मंत्री कैलाश विजयवर्गीय का पुतला दहन कर विरोध प्रदर्शन एवं उनके इस्तीफे की माँग की जाएगी।

राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ का प्रारम्भिक वर्ग

तेंदूखेड़ा देश धर्म एवं समाज के लिए पूर्ण मनोयोग से कार्य करने हेतु कार्यकर्ता का निर्माण हो इसके लिए संघ प्रारम्भिक काल से ही ऐसे प्रशिक्षण वर्ग करता आ रहा है। इसी दृष्टि से तेन्दुखेड़ा खण्ड का वर्ग 2 से 4 जनवरी तक सरस्वती शिशु मंदिर तेन्दुखेड़ा में जारी है जिसका आज विधिवत समापन होगा।

मजदूर संघ ने सुनी कर्मचारियों की समस्याएं

हरिभूमि न्यूज - नरसिंहपुर।

वेस्ट सेंट्रल रेलवे मजदूर संघ की नरसिंहपुर शाखा सचिव सुनील जाट एवं अन्य पदाधिकारियों ने नरसिंहपुर से बोहानी तक पैदल यात्रा कर सभी यूनिटों एवं गेट एवं स्टेशन जाकर रेल कर्मचारियों को नए वर्ष की शुभकामनाएं दी एवं उनकी समस्याएं सुनी और उनको हल करने का संकल्प लिया। उन्होंने कहा कि हमारे नेतृत्व महामंत्री अशोक शर्मा के द्वारा कर्मचारियों की समस्याओं का निवारण जोन एवं रेलवे बोर्ड स्तर पर करवाया जाता है और उनका नारा यत्र तत्र सर्वत्र के आधार पर कार्य किया जाता हैं जबलपुर मंडल की एक मात्र यूनियन होने के कारण जिम्मेदारी ज्यादा बनती है बाकी मंडल स्तर पर मंडल सचिव डी. पी. अग्रवाल के द्वारा भी कर्मचारियों के हित में लगातार कार्य किए जाते हैं। इस अवसर पर ब्रांच के उपाध्यक्ष मनोज बैरवा, आलोक नेमा, पी.आर. वर्मा एवं अनेक कर्मचारी एवं पदाधिकारी उपस्थित रहे।

जिले को 2677.41 मी. टन इफको यूरिया प्राप्त

हरिभूमि न्यूज - नरसिंहपुर।

कलेक्टर श्रीमती रजनी सिंह के मार्गदर्शन में जिले के किसानों को समय पर उर्वरक उपलब्ध कराने के लिए लगातार प्रयास किए जा रहे हैं। जिले में किसानों के लिए उर्वरकों की उपलब्धता सुनिश्चित कराई जा रही है और जिले में यूरिया की रैक प्राप्त हो रही है। इसी क्रम में शनिवार को नरसिंहपुर रैक प्वाइंट पर इफको कम्पनी की 2677.41 मी. टन यूरिया प्राप्त हुआ। उप संचालक कृषि मोरिस नाथ ने रैक प्वाइंट पर जाकर उर्वरक का निरीक्षण किया। उन्होंने संबंधित ट्रांसपोर्टरों को योजना अनुसार उर्वरक केन्द्रों तक शीघ्र पहुंचाने के निर्देश दिए, ताकि यूरिया का वितरण यथाशीघ्र किसानों को किया जा सके। उप संचालक कृषि ने बताया कि इस रैक से डबल लॉक केन्द्र नरसिंहपुर को 250 मी. टन, डबल लॉक केन्द्र करेली को 200 मी. टन, डबल लॉक केन्द्र गोटेगांव को 200 मी. टन, डबल लॉक केन्द्र करकबेल को 150 मी. टन, डबल लॉक केन्द्र गाडरवारा को 200 मी. टन, डबल लॉक केन्द्र सालीचौका को 200 मी. टन, सहकारी समितियों को 580 मी. टन, एमपी एग्रो को 94 मी. टन तथा निजी क्षेत्र को 803.41 मी. टन यूरिया भंडारित किया जाएगा। उन्होंने बताया कि आगामी दिनों में कोरोमंडल इंटरनेशनल कंपनी से 2600 मी. टन यूरिया नरसिंहपुर रैक प्वाइंट से प्राप्त होना प्रस्तावित है।

पट्टा सर्वेक्षण में सावधानी एवं पारदर्शिता बरते - एसडीएम

पांढुर्ना। यहां एक बैठक में आज 3 जनवरी को पट्टा सर्वेक्षण की प्रारंभिक सूची की जांच की गई तथा इसके लिए एसडीएम अलका एक्का ने जरूरी निर्देश दिए। बैठक में पट्टा सर्वेक्षण से संबंधित अधिकारियों को कार्य में सावधानी एवं पारदर्शिता बरतने को कहा गया। इस बैठक में ना. तहसीलदार किरथलाल इरपाचे, सीएमओ आरके इवनाती, आर.आई. पटवारी एवं नगरपालिका कर्मचारी उपस्थित रहे।

नो मैपिंग वाले मतदाताओं को लेकर निर्देश जारी

पांढुर्णा। शनिवार को कलेक्ट्रेट सभाकक्ष में नो मैपिंग वाले मतदाताओं की सुनवाई को लेकर एसडीएम अलका एक्का की अध्यक्षता में बैठक संपन्न हुई। इसमें क्षेत्र के सुपरवाइजर एवं बीएलओ उपस्थित रहे। बैठक में नो मैपिंग श्रेणी आए मतदाताओं के स्थिति की समीक्षा की जाकर उनके नाम सूची में सही ढंग से शामिल करने के संबंध में निर्देश जारी किए गए। एसडीएम अलका एक्का ने सभी सुपरवाइजर और बीएलओ को निर्देशित किया कि वे क्षेत्र स्तर पर गंभीरता से कार्य करते हुए पात्र मतदाताओं की समस्याओं का त्वरित निराकरण करें। जिससे कोई भी पात्र मतदाता मताधिकार से वंचित न रहे। बैठक में मतदाता सूची की शुद्धता, पारदर्शिता एवं समयबद्ध कारवाई पर विशेष जोर दिया गया।

स्वच्छ पेयजल आपूर्ति को लेकर बैठक

पांढुर्ना। आज 3 जनवरी को कलेक्टर नीरज कुमार वशिष्ठ के निर्देश एवं नपा सीएमओ आरके इवनाती की अध्यक्षता में शहर की पेयजली आपूर्ति व्यवस्था को लेकर आज बैठक संपन्न हुई। बैठक में पानी टंकी और आसपास के क्षेत्र को साफ रखे एवं किसी पाइप लाईन में गंदा पानी मिलने पर उसे तत्काल ठीक

संगीतमय श्रीमद् भागवत कथा आज से

तेंदूखेड़ा भगवान बांके बिहारी पुण्य सलिला मां नर्मदा जी मां राजराजेश्वरी जी की कृपा और हीरापुर वाले स्वामी जी महाराज के आर्शीवाद से समीपी ग्राम हीरापुर में चौकसे परिवार के द्वारा निखिल चौकसे की पुण्य स्मृति में संगीतमय श्रीमद् भागवत कथा ज्ञान यज्ञ सप्ताह का आयोजन आज 4 जनवरी से 10 जनवरी तक कथा व्यास पं शिवओम कृष्ण शास्त्री के द्वारा भगवान बांके बिहारी की लीलाओं का गुणानुवाद किया जायेगा।आयोजक मंडल द्वारा मिली जानकारी के अनुसार आज 4 जनवरी को सुबह नौ बजे से भव्य कलश यात्रा निकाली जायेगी तथा प्रतिदिन दोपहर दो बजे से शाम 05 बजे तक कथा वर्णित की जायेगी।आयोजक मंडल ने सभी श्रद्धालुओं से उपस्थिति की अपील की है।

पूर्णाहुति के साथ गायत्री महायज्ञ का समापन

तेंदूखेड़ा

पुण्य सलिला मां नर्मदा के पावन तट झिरी घाट में नर्मदा क्षेत्र में आध्यात्मिक समृद्धि हेतु महामृत्युंजय नर्मदा ग्रुप एवं गायत्री परिवार के संयुक्त तत्वावधान में एक जनवरी से विशाल कलश यात्रा के साथ 9 कुण्डीय राष्ट्र शौर्य समृद्धि गायत्री महायज्ञ तीन जनवरी तक चला जिसका विधिवत पूर्णाहुति के साथ समापन हुआ।आयोजक मंडल ने हमारे प्रतिनिधि को बताया कि प्रतिदिन सुबह 8 बजे से देव आवाहन यज्ञ आहुतियां दोपहर 2 बजे से युग संगीत प्रज्ञा प्रवचन एवं शाम को विराट दीप यज्ञ संपन्न हुये। तथा शनिवार को विभिन्न वैदिक संस्कार संपन्न कराये गये। जिसमें बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं ने भाग लिया।

विभिन्न मांगों को लेकर एकजुट हुए शिक्षक

अतिथि शिक्षकों ने दशहरा मैदान में दिया धरना

हरिभूमि न्यूज ⏭ छिंदवाड़ा

आजाद स्कूल अतिथि शिक्षक मध्यप्रदेश के आह्वान पर संपूर्ण प्रदेश के जिलो में तीन दिवसीय धरना प्रदर्शन कार्यक्रम की घोषणा की गई। जिसके चलते छिंदवाड़ा जिले में भी आजाद स्कूल अतिथि शिक्षक संघ मध्यप्रदेश के माध्यम से जिले में तीन दिवसीय कार्यक्रम का आयोजन किया गया जिसमें आज दूसरे दिन भी जिले के दशहरा मैदान पोला ग्राउंड में जिले भर के अतिथियों ने अपनी मांगो को लेकर धरना दिया। प्रदेश महासचिव एवं छिंदवाड़ा जिला अध्यक्ष संतोष कहार ने बताया कि लगातार अतिथि शिक्षकों के साथ अन्याय और भविष्य के साथ खिलवाड़ किया जा रहा है। जिसके चलते तीन दिवसीय धरना आंदोलन कार्यक्रम का आयोजन किया गया। प्रदेश में अतिथि शिक्षक विगत 18 वर्षों से शासकीय स्कूलों में अपनी सेवा देते आ रहे हैं, किंतु आज दिनांक तक अतिथि शिक्षकों का भविष्य सुरक्षित नहीं हुआ है।

अस्पताल की अव्यवस्थाओं पर कलेक्टर हुए नाराज

कलेक्टर ने किया जिला अस्पताल का औचक निरीक्षण, व्यवस्थाओं पर दिए सख्त निर्देश

हरिभूमि न्यूज ⏭ छिंदवाड़ा

कलेक्टर हरेंद्र नारायन ने शनिवार को जिला अस्पताल का औचक निरीक्षण कर स्वास्थ्य सेवाओं की वास्तविक स्थिति का जायजा लिया। उन्होंने जिला अस्पताल के भूतल से लेकर तृतीय तल तक पूरे भवन का संपूर्ण निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान उन्होंने विभिन्न विभागों की ओपीडी, इमरजेंसी वार्ड, आयुष्मान कक्ष, दवा वितरण केंद्र, आयुष्मान कक्ष, एक्स रे, सोनोग्राफी, एम आर आई कक्ष, ऑपरेशन थिएटर, मनोरोग विभाग, महिला एवं शिशु वार्ड सहित विभिन्न विभागों का निरीक्षण किया और मरीजों से सीधे बातचीत कर उन्हें मिल रही सुविधाओं की जानकारी ली।

कलेक्टर श्री ने अस्पताल में साफ-सफाई, दवाओं की उपलब्धता और चिकित्सकीय व्यवस्थाओं पर विशेष ध्यान देने के निर्देश दिए। कुछ स्थानों पर मिली कमियों पर नाराजगी जताते हुए उन्होंने संबंधित अधिकारियों को तत्काल सुधार के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि मरीजों को समय पर इलाज, पर्याप्त दवाएं और स्वच्छ वातावरण उपलब्ध कराना प्रशासन की सर्वोच्च प्राथमिकता है। निरीक्षण के दौरान कलेक्टर श्री नारायन ने डॉक्टरों और स्टाफ को निर्देशित किया कि मरीजों के साथ पूरी संवेदनशीलता और जिम्मेदारी के साथ व्यवहार किया जाए। उन्होंने अस्पताल प्रबंधन को व्यवस्थाओं की नियमित मॉनिटरिंग करने और शिकायतों का त्वरित निराकरण सुनिश्चित करने के निर्देश दिए।